

## उज्जैन रोड़ पर 500 करोड़ की लागत से 100 एकड़ में बनेगा IIT इंदौर का सैटेलाइट कैंपस

अभिषेक दुबे . इंदौर

आईआईटी इंदौर अपना सैटेलाइट कैंपस इंदौर-उज्जैन रोड़ पर तैयार करेगा। इसके लिए आईआईटी प्रबंधन ने जमीन पसंद कर ली है। बताया जा रहा है कि यह जमीन उज्जैन कॉलेज के नजदीक है, जहां 100 एकड़ में लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से सैटेलाइट कैंपस बनेगा।

आईआईटी सैटेलाइट परिसर के नोडल अधिकारी डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि आईआईटी प्रबंधन ने पिछले दिनों उज्जैन विजिट किया था। जहां जमीन लगभग फाइनल की है। विक्रम विवि ने आईआईटी इंदौर को अपने परिसर में अस्थाई रूप से सैटेलाइट परिसर शुरू करने के लिए जगह उपलब्ध

विक्रम विवि ने अस्थाई कैंपस के लिए स्कूल ऑफ लॉ का एक फ्लोर दिया

कराने पर सहमति दी है। सैटेलाइट परिसर उज्जैन में सत्र 2022-23 में शुरू हो जाएगा, जहां पांच अनुसंधान केंद्र खुलेंगे। इसमें से 2 से 3 केंद्र 2022-23 में शुरू हो जाएंगे और बाकी के 2023-24 में संभावित हैं। विक्रम विवि ने अस्थाई सैटेलाइट कैंपस के लिए अपने स्कूल ऑफ लॉ का एक फ्लोर देने की बात कही है।

**अस्थाई कैंपस से ही हुई थी शुरुआत :** इससे पहले इंदौर में भी शुरुआत अस्थाई कैंपस से ही हुई थी। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी ने अपने आईटी विभाग की बिल्डिंग में संस्थान को जगह उपलब्ध कराई थी। उज्जैन में सैटेलाइट कैंपस में कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल में बीटेक और एमटेक कोर्स करवाने के साथ ही एस्ट्रोनॉमी और स्पेस साइंस सब्जेक्ट पढ़ाए जाएंगे। वहीं संस्कृत में भी नए सब्जेक्ट सम्मिलित किए जाएंगे।